

2735
1

184
Prudakriya

१२ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 आद्योपनिषदासाह ॥ द्वापाहो नारायण ॥ पातासनचारा ॥ सूर्या
 र्चः शत्रुपातादी ॥ अथ महादानाकार्यकार्य ॥ यानपि न कंड
 मानस्य कास्य पगवतुः ॥ अमरुतामध्वस्य कृतासाक्षात्कृत
 संपादिकामनाथं अमरुतामहाहयनाथं ॥ प्रियुषास्य
 निर्यः कृतसंक्रान्तवृद्धं ॥ अमरुतामहाहयनिवासाथं
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अमरुतामध्वस्य कृतासाक्षात्कृत
 नाचनः कृतसंक्रान्तवृद्धं ॥ आद्योपनिषदासाह ॥ द्वापाहो नारायण ॥
 नमः ॥ कृतसाधनमः ॥ पुण्यार्चनमः ॥ पादोपागार्चनमः ॥
 धूपं नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ आदिर्लखपातादीगारा ॥ श्री
 गुरुभ्यो नमः ॥ अथ महादानाकार्यकार्य ॥ यानपि न कंड
 स्वानवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

श्री

वृत्तपुष्प प्रदीपिका

यस्वाहा॥ वृषास्वाहा॥ वृहस्पतिस्वाहा॥ शुक्रास्वाहा॥
 अनीश्वरास्वाहा॥ कारुव्यस्वाहा॥ मरुव्यस्वाहा॥ ॥
 पूजायास्वाहा॥ श्रीगुरुदेवतामुक्ताचतुर्नमः॥ उक्तं चारुय
 श्रीगुरुदेवतामुक्ताचतुर्नमः॥ स्वान्तमय॥ श्रीगुरुदेव
 यमुक्ताचतुर्नमः॥ स्वान्तमय॥ उक्तं चारुय
 स्वपायमहाशुक्तिः नमो जीसर्वपापविघ्नहर्त्रे पुनमासि

ॐ नमः कृती वरुणा य

दिवाक्यं॥ ॥ प्रीतिकर्मयायागं कृत्यं सहाद्रिधायकं॥
 हानं॥ हानावृत्तं सहाद्रिधायकं॥ उक्तं चारुय
 हानावृत्तं सहाद्रिधायकं॥ उक्तं चारुय
 हानावृत्तं सहाद्रिधायकं॥ उक्तं चारुय
 हानावृत्तं सहाद्रिधायकं॥ उक्तं चारुय

थससाया॥ ईसंरायकड्डाई॥ संवनेहाय॥ हससः कस
संवनेहाय॥ अशुकात्रवाकड्डाई॥ थनकापलाकान
कैपुर्वस्वचकमवाक॥ गेलानाडुर्गमिमुकैः कसुनामधु
नासिकावाकड्डाई॥ थनकापलाकान॥ थनकापलाकान
मासिदिवाकड्डाई॥ थनकापलाकान॥ थनकापलाकान
थनकापलाकान॥ वाक॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
तीलाडुत्पुत्रिमुर्ध्ना च कसेन च श्रुतयो ॥ मधुना नासिकावाड सिरो
दधिवकटि आनुभ्यां तोयेन हस्तपादयो ॥ इदं शरीरं सर्वं जायते वीर्ये
गिरगथः यधिक्रियसमायुक्तः शुक्रं गणितं स एव ॥ ॥
थनकापलाकान॥ वाक॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
गथयक॥ वाक॥ ॐ धर्मधरागंगस्वध ॥ गायत्र्या गायत्र्या ॥
पुविनामहपिठगंगस्वध ॥ गायत्र्या ॥ पीनामहपिठगंग
गस्वध ॥ गायत्र्या ॥ स्वापिनापिठगंगस्वध ॥ वीरसाय
पिठगंगस्वध ॥ थनकापलाकान॥ गायत्र्या गायत्र्या ॥

तीलाडुत्पुत्रिमुर्ध्ना

हिस्वक ॥ थन अहिस्वक काय ॥ उ अहिस्वकं महावज्रं
दि ॥ **द्रुसर्वं न्य** ॥ उ पुनिं वी वृत्त्यादि ॥ ॥ थन **चीहात**
धीयं न्य ॥ उ नमो गवने वी च न पु ह के रु उ उ
य न थ ग नाया है न सं स क सं वृ ध म यः न य थ ॥ उ
म न र ग म म न स्वा हा ॥ **अनीया क** ॥ **जा क न स पा**
नार्थ न्य क ॥ ॥ श्री धर्म धनु वा रा श्व तः पंच स मा तु
वै ग व र्ण य व ना र द्या ल क पा दार्थ पु नि के स्वा हा ॥ ॥

खान वा य ॥ उ अ य वे य च ना य स्वा हा ॥ अ क्ता य
स्वा हा ॥ अ ल सं र वा य स्वा हा ॥ अ मि ना हा य स्वा हा ॥ अ
मा य सि ध य स्वा हा ॥ **थनी चीहात न्य** ॥ उ न क य
स्वा हा ॥ उ र द्या य स्वा हा ॥ उ या य स्वा हा ॥ हो म्या य स्वा
हा ॥ क पि ता य स्वा हा ॥ पंच र म मा तु य व न पू र्ण पु नी
के स्वा हा ॥ **गव्य स या न** ॥ व स व र्ण य स्वा हा ॥ मा नी
र द्या य स्वा हा ॥ पू न र द्या य स्वा हा ॥ ध न द्या य स्वा हा ॥

श्रीश्री श्री .

श्रीश्री श्रीश्रीश्री

श्रीश्रीश्रीश्रीश्री

श्रीश्री

2735 I

मवर्तुमहाकाशः वेगमनयमहचंद्र सर्वसंप्रगिदायने॥ **आख**
मनकयक॥ उं मनीरमहामूनखाहा॥ **आखिलेखनालय॥** उं अथ
यिसानत्रनसंवरूपसिद्धिबल॥ **थनकूसुपुत्रीनयक॥** उं रुनी
नंदकायक॥ उं सुपुत्रीकाशाननं गायवाक॥ **अथः महायानकास**
यथापूर्ववाधीसत्त्व्यादि॥ **अंमगधायक॥** उं समतत्रमानस्यः पु
विगांसहः यथानामनः कृगपुत्रीकापुत्रिहिती॥ **पिगांसहः** य
थानामनकृगपुत्रिकापुत्रिहिती॥ **पिगांसहः** यथानामनः

कृसपुत्रिकापुत्रिहिती॥ **थनः कृगः हासाः** किथिलेखनीयक
पुविगांसहः पिगांसहः स्वपीताः नामननः पुत्रादकं स्वधः गी
थदिकं स्वध॥ **साइदुः यंचामगवीय॥** उं सतिहायसपुत्रसम
धुसदुष्टस्वध॥ **कंकनीरवाचनीभाचनीः** उंचनीरपुत्री
हमकृयकनीस्वध॥ **लीखवियक॥** उं पुन्यरमहापुन्यः ग्यादी
सीकलीगी॥ क॥ चंद्रचंद्रदानपावसी॥ **गापुत्रासद्यासमृद्धिनेत्रन**
समयस्वध॥ उं उं कानक॥ **स्वायक॥** उं उं हावसुगं लयाहमि

मापूजा मया समुद्र रुते नः समय स्वध ॥ **ममकाजी**
उक्त्या ॥ उं नंगवाक पुष्प संकृं हंगवाक मर्थ वच ॥ विचीगु
 पुष्पं कृन्निपासमी मापूजा मया समुद्र रुते नः समय ॥ **ओ**
वडीः सीसा रुतः श्रीः ममवीयवा उथी ॥ **मायहासा** ॥ वाक ३
 पाऊयानपासामि मापूजा मया समुद्र रुते नः समय स्वध ॥
धनगा मुयाया ॥ उं नृकृन्निगुमहधाया नृकृत्वा ऊन वय

मिहं ॥ **ममवीय** ॥ उं मूर्नी २ मरु मूर्नी त्वाहा ॥ **धनकाकी** ॥
स्वचाकल ॥ **उयकाडायाय हाय** ॥ उं उथ अदिमान नं न संकृत्य
 सिधीय ॥ ॥ **धनपि** ॥ **कुरागः कुरागः नमयक** ॥ **वाक** ॥ उं
 यथ पूर्वचाधिस त्वग्यादी ॥ **अममधायक** ॥ **अममक** ॥
 नत्यः पुचीनामरु पिनामरु स्वपीनाः नामनन कुरागान
 यत्किना ॥ **कुरावसं मृपकिना** ॥ **नयगजाय** ॥ उं नृसंधसीप
 गुफागुं स्वध ॥ **लं स्वनीहाया** ॥ **अहिषिचागु** ॥ स्वध ॥

स्वीजय ॥ सुपूष्यं स्वध ॥ सुपाङ्क गे स्वध ॥ साहागं साहाव
 याया ॥ अधीयगुपागुल स्वध ॥ यनपि कजानकः कुरु माहाव
 नः कालवाङ्क ॥ यथपुर्वधाधीसुत्वादि ॥ असमगधाय
 क ॥ असमगजमानस्यः अयेपुर्वीतांमहयेथनामननः मस्मेयी
 क ॥ पितामहस्वपितायथनामनः मस्मेयी सुगस्वध ॥
 स्वाचीर्धनयक ॥ सुपूष्यं स्वध ॥ यनपि कुरु वनायाक ॥ पिन्दुल
 वं स्वध ॥ स्वीकृता ॥ यनगिर्यं सस्वीयक ॥ साद्रुद्रः पंचासतः सस्व

वा

वीयक ॥ वाङ्क ॥ यनसिद्धलंकीक ॥ उरुसका ॥ तंजयाङ्कः हीग
 याङ्कः खोवकी ॥ सिताहस ॥ धुः सगः नायः वाङ्क ॥ गुगुयाय ॥
 धुः धर्माचक्रं पुर्वकः नैधमरुकेजगमसर्वमधनः सर्वदुर्गी ॥
 नत्रयानिर्गयगयातीधपुनदवासायोनूतः ॥ मिर्भूरेवकीकस
 त्वं पुनं पुनस्मसिह ॥ अक्रतविय ॥ सिग्महसधायदया ॥ यथादि
 ॥ न्यादि ॥ यनडहलीखडासाहागथकाय ॥ यनवीकलकनकः अथ
 कालं वाङ्क ॥ यथपुर्वधाधीसुत्वादि ॥ असमगधायक ॥

असुतं कुरुमानस्य ॥ इयं वासि नूक सजाता ॥ अपुण्य च वांधवा
 कामगोर्वा विप्रा च द्रुता द्रुता समसः ॥ तस्यैव वा दह नृप्यं नः ॥
 पिता योपका गीः ॥ सुत्ता रसं धना यः ॥ उ नमो गुरुय मूर्ध्नि ए
 ष्वः स्वातादि स्वातपि कचः ॥ कं कादि का कपि कचः ॥ गहम वि कलपी
 सुखध ॥ **सीतय ॥ सुपुष्पं स्वध ॥ गीर्थं स्वदीया ॥ विकलाय**
निधुं दकं स्वधानीयां दकं स्वध ॥ लाडुः यं चानराः ॥ तं स्वदीयाय
वाकं उध ॥ सिधुलं कुरुकाः ॥ तं चानराः ॥ एतं वाकः ॥ धौ वडीः ॥ सीता

हस्तः श्रीमताः ॥ लायः वाकं उध ॥ गुरु ॥ इयं कला मिपु महाधाया
मि कला चो गवनी गरीः ॥ मि कला जन वसानी ॥ गः ॥ तं वृध पुन मासी
हं ॥ आरधन ॥ इं मुने शमहा मुन स्वाहा ॥ सिहा हं स्या यहाय ॥
यथादि मान न्यादि ॥ धन लाहा गहि क ॥ धन मिपु हायाय ॥ धन
मं कलथी लक ॥ क्क सुसि दुर्लभी क ॥ इं गुरु धचं नु नम ॥ कलुयी
चं नु मम ॥ पल्य स्वां उध ॥ तस्वी च्हाय ॥ स्वां च्हाय ॥ पक्षे पल्य पूष्यं न

भावाः नैव संभावाः नृनृगपागुपेनया ॥ **कपलाहाकपुय ॥ पुडा**
याय ॥ श्रीस्वां काय ॥ स्वगसूगधरामिपुष्पिनम ॥ **धनक सायन**
याय ॥ कसं धन ॥ धर्मधनसूखावगिगसनः पंचवसागु ॥
 वेश्वरसूखावगिगसनः ॥ **पिंक्षुसूखावगिगसनः** ॥ **विकृतम**
सूखावगिगसनः ॥ धनका ॥ वश्वपुपुमाननः ॥ **पिंक्षुदद्यागया**
शयः ॥ उद्धमसफरुभगनीः कलमसुगजं सगम ॥ **हामनेः साहाम**
सीक ॥ मगसुनी ॥ मीसुनी नयक ॥ उं व ले र मे हा ज ले क ग गि मारी

वीनासायः सूगनीमार्गचदयिग ॥ **पीनय ॥** संखधनधयक
वाक ॥ उं अदि कया वहि ॥ **रसो** कय गि लु नः ॥ **कलधमग्रीती** क
 लासग कं न्द्रक्री नाहि सुख ॥ **म ॥** ॥ **स्वस्तिवाक ॥ श्रीगुरुय**
यागकादिगनक ॥ कपलापाकं यकं दकं ॥ **नखचकं द्रुसपलाक**
कं ॥ ॥ **पिंक्षुचयक ॥** ॥ **गिंपी** कृयासमापु गृही ॥ ॥ ॥
 सप्तग १०३ ॥ **मिहादुमा** स कृपु यक ॥ **रुमि** गुरुवात ॥ **धखुद्रुया**
 दिनसथापासु कं च ॥ **यही** दयादिन कृतः ॥ **वृवा** हलयाः ॥ **वर्क** चार्थ